an>

Title:Need to provide clean potable water to every village of the country.

श्री दहन मिश्रा (श्रावस्ती) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान जीवन के लिए सबसे जरूरी पेयजल की तरफ आकृÂट करना चाहता हूं। लगातार भूगर्भ में पेयजल की जांच से यह साबित हो चुका है कि भूगर्भ से पेयजल का उपयोग करने वाले लोग पानी में आर्सेनिक और फ्लोराइड जैसे खतरनाक तत्वों को भी निरंतर गृहण कर रहे हैं जिसकी वजह से प्राणघातक बीमारियों के शिकार होकर असमय काल के गाल में समाते जा रहे हैं। अशुद्ध पानी पीने के कारण एनीमिया, मंह में जलन, लकवा, स्मरण में कमी, लीवर फेल होना, किडनी और फेफड़ों का कैंसर जन जीवन पर कहर ढाता जा रहा है।

गांव हो या शहर हर जगह कम गहराई से पीने का पानी प्राप्त करने वाले लोग लगातार बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं, महंगी चिकित्सा के कारण समय से इलाज न हो पाने पर मौत से जीतना मुश्किल होता जा रहा है। पेयजल के भारी संकट पर भारत सरकार को गंभीरता से चिंतन कर इसकी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। पहले इंडिया मार्का 2 हैंड पम्प की स्थापना भारत सरकार और राज्य सरकार की योजनाओं के माध्यम से की जाती थी, उक्त व्यवस्था को बगैर वैकल्पिक व्यवस्था किए बिना ही बंद कर दी गई है। अतः मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करता हूं कि प्रत्येक गांवों में पीने के पानी के लिए टैंक का निर्माण करवाकर उसमें आधुनिक मशीनों द्वारा शुद्ध पेयजल का संग्रह कर लोगों को पीने का पानी मुहैया करवाया जाए। जब तक हर घर में शौचालय और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं हो जाती तब तक स्वास्थ्य, सुंदर और साक्षर भारत का सपना साकार नहीं हो सकता है। जब तक हम नई व्यवस्था लागू नहीं करते तब तक पुरानी योजना को बहाल करते हुए इंडिया मार्का-2 को जारी रखा जाए, जिससे लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके।

माननीय अध्यक्ष :

कुमारी शोभा कारान्दलाजे,

श्री निशिकान्त दुबे,

श्री देवजी एम. पटेल,

श्री अजय मिश्रा टेनी,

श्री पी.पी.चौधरी और

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री दहन मिश्रा द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है। अ